

**Note :** If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – [www.jainelibrary.org](http://www.jainelibrary.org) and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

## Prakrit Suktaratnamala

Folder No.	003239
Granth Name	Prakrit Suktaratnamala
Author	Puranchand Nahar
Publisher	Puranchand Nahar
Edition	1
Year	1919
Pages	130

## प्राकृत सुक्तरत्नमाला

फोल्डर नं.	००३२३९
ग्रन्थ	प्राकृत सुक्तरत्नमाला
लेखक	पूरणचंद नाहर
प्रकाशक	पूरणचंद नाहर
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९१९
पृष्ठ	१३०

मुख्य टाइटल

प्रिफेस

विषयानुक्रमणिका -----	गाथाङ्क
प्राकृतकाव्यम् -----	१-२
सज्जन -----	३-१७
दुर्जन -----	१८-२६
मूर्खः -----	२७-२९
संगतिः -----	३०-३९
देशाटनम् -----	४०-४५
दुर्लभम् -----	४६-५३
कालः -----	५४-५७
दैवम् -----	५८-६३
प्रकृतिः -----	६४-६७
समुद्र -----	६८-७०
वैभवम् -----	७१-८२
अपत्यम् -----	८३-८५
स्त्री -----	८६-९४
अनित्यता -----	९५-१०३
मृत्युः -----	१०४-११३
इन्द्रियम् -----	११४-१२१
कर्म १२२-१२७	

धर्म	१२८-१३७
अहिंसा	१३८-१४९
सत्यम्	१५०-१५३
ब्रह्मचर्यम्	१५४-१५९
मध्यस्थ	१६०-१६१
गुरुः	१६२-१६४
मुनि	१६५-१६७
तुलना	१६८-१८३
प्रकीर्ण	१८४-२२७